

20/7/2023

अश्वि वक्त्रा वारी अनुपान्धित। भावजे
प्राणपदे गद्ये। अश्वि वक्त्रा वारी अनुपान्धित
वारी स्वयं उपान्धित नही एवं नही
प्रतिवारीगण की तलबी के जोतीक
ही प्रकृत किए गए हैं। फिर बाद प्र
अंशम हजरी शरम पंरवी मे
एवारीज विद्या जास्य हैं। पणवारी
कैवल्य शुमार होका नक्कल से कम है।



(रामचन्द्र प्रसाद)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़